

अच्छि उजिाडी उपर - अछि वाडी अउपान्ति
 वाडी अछि हाय अजनी संज्जा-०३ की तन्वी
 हेउ संज्जा - तन्वीना उहुत कने हेउ पत्राकी
 पत्राकी काकी संज्जा से अछि चरी सा री
 हे। माद उहौन लठ वाडी अछि हाय संज्जा-तन्वीना
 उहुत की उमे गये वाडी अछि की उरना संज्जा-२
 का आवाये लवाये जाने का भी अउपान्ति संज्जा
 पत्राकी वाडी अछि की संज्जा संज्जा/हाय हाय
 मे कर्मका लठ या अछि की पत्राकी हे पत्राकी
 नहीकह हे पत्राकी हाय पत्राकी के संज्जा संज्जा
 की हाय अछि की संज्जा मे शक्ति हो।

20
 सुदेश शर्मा
 (R.A.S)
 सिहावल कर्मका (F)
 श्रीगणेशाय नमः